हिन्दी संस्कृत विभाग : एक रिपोर्ट

भारतीय विद्या भवन मेहता विद्यालय हिन्दी संस्कृत भाषा के संरक्षण एवं प्रचार में निरंतर प्रयासशील है। शिक्षिकाओं के कौशल विकास हेतु विभिन्न संस्थाओं के द्वारा कार्यशालाओं एवं सेमिनार आयोजित किए जाते है। जिसमे हमारी शिक्षिकाएँ भाग लेती हैं। समय समय पर विषयों के ज्ञाता संसाधन व्यक्तिओं द्वारा विद्यालय के प्रांगण में कार्यशालाओं का संचालन किया जाता है।

भारतीय विद्या भवन मेहता विद्यालय के तत्वाधान मे सितंबर माह में प्रतिवर्ष हिन्दी-संस्कृत सप्ताह का आयोजन किया जाता है। इस अवसर पर प्रतिवर्ष कक्षा तीसरी से बारहवीं कक्षा के छात्र विविध प्रतियोगिताओं मे हर्षोल्लास से भाग लेते है।इस वर्ष हिन्दी-संस्कृत दिवस विशेष उत्साह से मनाया गया तथा प्रार्थना सभा में इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमे प्रत्येक स्तर पर छात्र-छात्राओं द्वारा हिन्दी भाषा की उपयोगिता पर भाषण, कविता, एकल गीत, भजन, युगल गीत, कहानी वाचन, दोहा गायन, रामायण के किसी भी पात्र का अभिनय,सुलेख लेखन,नुक्कड़ नाटक गतिविधियाँ कारवाई गई। विद्या पर आधारित संस्कृत श्लोक व पर्यावरण पर आधारित संस्कृत नाटक प्रस्तुत किया गया। तत्पश्चात विजयी छात्रों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। प्रतिवर्ष विद्यालय में हिन्दी भाषा को बढ़ावा देने के लिए हिन्दी ओलम्पियाड का आयोजन किया जाता है। इसमे कक्षा तीसरी से बरहवीं कक्षा तक के छात्रों ने भाग लिया । प्रधानाचार्या तथा उप-प्रधानाचार्या ने हिन्दी ओलम्पियाड में स्वर्ण, रजत व कांस्य पदक विजेताओं को पदक व प्रमाण-पत्र प्रदान किया। साथ ही इस वर्ष इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केंद्र ने हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन किया जिसमें हमारे विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया तथा नकद इनाम तथा प्रमाण-पत्र भी प्राप्त किए। दिल्ली संस्कृत अकादमी द्वारा छात्र-छात्राओं को तैयार करने हेतु संस्कृत व संगीत विभाग की अध्यापिकाओं डा. अंजू बाला, कु. स्वाति पाल व श्रीमती नीला सरकार को 'संस्कृत समाधारक सम्मान' से अलंकृत किया गया। इस वर्ष सरदार पटेल स्कूल में सांझी फोल्क फेस्टिवल का आयोजन किया गया जिसमे हमारे छात्रों ने अंधेर नागरी पर एक नाटक प्रस्तुत किया ।

हमारे विद्यालय के छात्र प्रतिवर्ष विभिन्न अंतरविद्यालयी प्रतियोगिताओं में भाग लेकर विद्यालय को गौरवान्वित करते है। इस वर्ष इन्दिरा गांधी काला केंद्र मे हिन्दी दिवस के अवसर पर निधि रावत और खुशबू सिंह (कक्षा बरहवीं की छात्राओं) ने वाद -विवाद प्रतियोगिता में भाग लेकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसी क्रम में यहाँ छठी कक्षा से आठवीं कक्षा तक अनिवार्य रूप से संस्कृत पढ़ाई जाती है तथा नौवीं से ग्यारहवीं कक्षा तक वैकल्पिक रूप से संस्कृत शिक्षण होता है। भारतीय विद्या भवन केंद्र द्वारा यहाँ छठी कक्षा से आठवीं कक्षा तक सरल संस्कृत शिक्षक एवं बालबोध की परीक्षाएँ आयोजित की जाती हैं।

मुंशी स्मारक काव्य पाठ प्रतियोगिता :-प्रतिवर्ष आयोजित इस प्रतियोगिता में अनेक विद्यालयों के साथ भारतीय विद्या भवन मेहता विद्यालय के छात्र छात्राएँ भी भाग लेते हैं , इस वर्ष संस्कृत हिन्दी प्रतियोगिताओं में छात्रों ने प्रथम स्थान प्राप्त किया ।

क्षेत्र- केंद्र- स्तरीय प्रतियोगिताएं :-दिल्ली संस्कृत अकादमी द्वारा आयोजित क्षेत्र-स्तरीय और केंद्र - स्तरीय वाद-विवाद प्रतियोगिता, भाषण-प्रतियोगिता, एकल-श्लोक-गायन प्रतियोगिता एवं समूह-श्लोक-गायन प्रतियोगिताओं मेँ भारतीय विद्या भवन के छात्र छात्राओं ने इस वर्ष भाग लेकर प्रथम पुरस्कार प्राप्त किये ।

श्रीमदभगवद्गीता :-भारतीय विद्या भवन के श्री शंकराचार्य महाविद्यालय द्वारा आयोजित गीता जयंती उत्सव में गीता-श्लोकोच्चारण प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। इस प्रतियोगिता में हमारे विद्यालय के छात्र पुरस्कृत हुये ।

संस्कृत संभाषण शिविर :- भारतीय विद्या भवन तथा संस्कृत भारती के तत्वावधान में दस दिवसीय संस्कृत संभाषण शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें छात्रों को संवादात्मक शैली में संस्कृत भाषा बोलेने का अभ्यास कराया गया ।

दूरदर्शन एवं संस्कृत कक्षा :-दिल्ली संस्कृत अकादमी द्वारा आयोजित "संस्कृत शिक्षण कक्षा" में भारतीय विद्या भवन मेहता विद्यालय के कक्षा छठी से नौवीं तक के छात्र भाग लेते हैं। छात्रों का यह कार्यक्रम डी॰डी॰ न्यूज़ (दूरदर्शन नेशनल) के माध्यम से "**वार्तावली**" इस कार्यक्रम के अंतर्गत प्रत्येक **शनिवार रात दस बजे** प्रसारित किया जाता हैं ।

संस्कृत छात्रवृत्ति :- दिल्ली संस्कृत अकादमी द्वारा कक्षा आठवीं तथा नवीं के छात्र छात्राओं के लिए संस्कृत में विशेष अंक प्राप्त करने वालों को धन राशि के रूप में छात्रवृत्ति प्रदान की जाती हैं। साथ ही दसवीं कक्षा (distinction) विशेष योग्यता पाने वाले छात्रों को प्रतिभा पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है। इस वर्ष विद्यालय के पंद्रह छात्रों ने यह छात्रवृत्ति प्राप्त की ।

संस्कृत सम्मान :-दिल्ली संस्कृत अकादमी द्वारा अध्यापिकाओं के प्रोत्साहन हेतु अनेक प्रतियोगिताओं तथा पुरस्कारों का प्रावधान भी किया जाता है। जिसके तहत वर्ष 2006 से लगातार हमारे विद्यालय की संस्कृत एवं संगीत विभाग की अध्यापिकाओं ने संस्कृत सेवा सम्मान तथा संस्कृत समाराधक सम्मान प्राप्त कियेँ । कु॰ स्वाति पाल और डा॰ अंजु बाला को उनकी संस्कृत रचनाओं के लिए अकादमी द्वारा पुरस्कृत किया गया।

हमें यह बताते हुये अत्यंत हर्ष हो रहा है कि भारतीय विद्या भवन मेहता विद्या के संस्कृत विभाग की **अध्यापिका (डॉ. श्रीमति अंजु बाला)** को लुम्बिनी विश्वविद्यालय, नेपाल की ओर से ***2562 वीं बुद्धजयंती* के उपलक्ष्य में अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध सेमिनार** में भाग लेने हेतु आमंत्रित किया गया जिसमें आपने अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया । वहाँ आपके शोध पत्र को बहुत सराहा गया ।